

प्रेषक,

के०डी०भट्ट,
प्रमुख सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,
लोक सेवा अधिकरण, उत्तराखण्ड
316, फ़ैज-II, बसन्त विहार,
देहरादून।

न्याय अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 11 मार्च, 2015

विषय- उत्तराखण्ड लोक सेवा अधिकरण हेतु सृजित 03 अस्थायी पदों की निरन्तरता बढ़ाया जाना।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं०-15/उ०लो०से०अधि०/प्रशा०-IV दिनांक 12-01-2014 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या 12-एक(4)/छत्तीस(1)/न्याय अनुभाग/2004 दिनांक 06-08-2004 द्वारा सृजित वाहन चालक का 01 पद, शासनादेश सं०-65-एक(4)/छत्तीस (1)/05-326/2001 दिनांक 28-11-2005 द्वारा सृजित वरिष्ठ लिपिक के 01 तथा शासनादेश सं०-223/XXXVI (1)/2013-326/2001 दिनांक 26-07-2013 के द्वारा कार्यालय अधीक्षक का एक सृजित 01 अतिरिक्त पद कुल 03 अस्थायी पदों की निरन्तरता वर्तमान शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन, यदि वे बिना पूर्व सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाये, दिनांक 01-03-2015 से दिनांक 29-02-2016 तक बढ़ाये जाने की श्री राज्यपाल, सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त पर होने वाला व्यय आगामी वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-04-लोक सेवा अधिकरण-00" के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-ए-1-1270/76-दस दिनांक 20 जुलाई 1968 सपठित कार्यालय ज्ञाप संख्या-ए-2-877/दस-92-24(8)/92 दिनांक 07-11-1992 (यथा उत्तराखण्ड राज्य में प्रवृत्त) द्वारा प्रशासकीय विभागों को प्रतिनिधानित किये गये अधिकारों के अन्तर्गत प्रसारित किये जा रहे हैं।

भवदीय

(के०डी०भट्ट)
प्रमुख सचिव

संख्या- 64(1) XXXVI(1)/2014-326/2001 तद दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार(लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराँय भवन, माजरा देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-5/एन०आई०सी०/गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(राकेश कुमार सिंह)
संयुक्त सचिव